दिनांक 14.09.2016 को राजभाषा प्रभारी द्वारा कविता वाचन

1. तन प्राण से प्यारी है हिंदी
2. जन जन की भाषा है हिंदी
3. तन मन में रची-बसी हिंदी
4. भारत की भाषा हिंदी
5. रोम रोम में अपनी हिंदी
6. सम्मान भाव अपनी हिंदी
7. है विश्व धरोहर अपनी हिंदी
8. बलिदान भाव अपनी हिंदी
9. पहचान हमारी है हिंदी
10. भारत की आत्मा है हिंदी
11. सबसे प्यारी है हिंदी
12. हम भारत वासी हैं हिंदी
13. भारत भूमि- भारत हिंदी
14. हम से नहीं बेगानी हिंदी
15. नाम रूप धन-धान्य है हिन्दी
16. सब काम हमारे हों हिंदी
17. अधिकारी प्यार की है हिंदी
18. सम्मान पाए बस ये हिन्दी
19. अपनी माटी की हिंदी
20. पीने का पानी भी हिंदी
21. ओढन का वस्त्र मिले हिंदी
22. तन का कफ़न सिले हिन्दी
23. नायक से महानायक हिंदी
24. खलनायक की दुश्मन हिंदी
25. भटकों को राह दिखाती हिंदी
26. स्वप्न साकार करे हिंदी
27. वैरभाव मिटाये हिंदी
28. हम सबका गौरव है हिंदी
29. तन में हिंदी,
30. मन में हिंदी
31. सबका गौरव, गौरव है हिंदी
32. करूणा की भाषा है हिंदी
33. प्रेम की भाषा है हिंदी
34. सर्वस्व निछावर को हिंदी
35. बस यही भावना है हिंदी

36. हम हिंदी के सेवक हों
37. बस यही कामना है हिंदी
38. सबसे ऊपर हो हिंदी
39. सबका सम्मान बने हिंदी
40. सर्वस्व हमारा हो हिंदी
41. आजादी का नारा हिंदी
42. लगी ये धुन सीखें हिंदी
43. सीखें और सिखाएं हिंदी
44. सम्मान तुम्हारा हो हिंदी
45. सत्कार तुम्हारा हो हिंदी
46. उत्तम स्थान मिलें हिंदी
47. नहीं कमजोर कड़ी हिंदी
48. मजबूती से जोड़े हिंदी
49. जोड़ जुड़े ना बिन हिंदी
50. दिलों की भाषा है हिंदी
51. जननी स्वरूप हमारी हिंदी

दिनांक 28.09.2016 को राजभाषा प्रभारी द्वारा कविता वाचन

न चाहूँ मान - राम प्रसाद 'बिस्मिल'

न चाहूँ मान इस दुनिया में, न चाहूँ स्वर्ग को जाना
मुझे वर दे यही माता, रहूँ भारत पे दीवाना

करुँ मैं कौम की सेवा, सहने पड़ें चाहे करोड़ों दु:ख
अगर फ़िर जन्म लूँ आकर, तो भारत में ही हो आना

लगा रहे प्रेम हिन्दी में, पढ़ूँ हिन्दी, लिखूं हिन्दी
चलन हिन्दी चलूँ, हिन्दी पहनना, ओढना खाना

भवन में रोशनी मेरे, रहे हिन्दी चिरागों की
स्वदेशी ही रहे बाजा, बजाना, राग का गाना

लगें इस देश के ही अर्थ मेरे धर्म, विद्या, धन
करुँ मैं प्राण तक अर्पण, यही प्रण सत्य है ठाना

नहीं कुछ गैरमुमकिन है जो चाहो दिल से "बिस्मिल" तुम-
उठा लो देश हाथों पर, समझो अपना न कि बेगाना